02 Tuesday
Wk-06 • 033-333
February

STD-VI
ch-2

FEBRUARY
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21
22 23 24 25 26 27 28 29
M T W T F S S M

Date - 06-05-23

लिखित (उत्तर)

(क) विजय ने जिस गाँव का भ्रमण किया, उस गाँव के सारे घर पक्के थे। सभी घरों के आगे गायें बँधी थी। गाँवों के बीच एक पाठशाला थी। सब बच्चे साफ़-सुथरे कपड़े पहने हुए थे। लोग स्वस्थ तथा हृष्ट-पुष्ट थे।

(ख) पैदावार में बढ़ोत्तरी के लिए खेती करने की सही और आधुनिक विधि अपनाई, जादा आधुनिक कृषि-उपकरणों का प्रयोग, साफ़-सफ़ाई के प्रति जागरूकता, समुचित उपचार-व्यवस्था एवं शिक्षा आदि से गाँवों का स्वरूप बदला जा सकता है।

2016

ग) विन्नु काका सच्चे अर्थों में इनसान थे, वे दूसरों के लिए जीने में ही आनंद अनुभव करते थे। वे बहुत विद्वान थे, अमरीका में शिक्षा प्राप्त कर देश की भलाई के लिए विदेश के ऐश्वर्यपूर्ण जीवन को छोड़कर स्वदेश लौट आए। विन्नु काका बहुत ही मिलनसार एवं स्नेही व्यक्ति थे उनकी जीवन-शैली में परोपकार, समाजसेवा, त्याग, सहयोग एवं सहानुभूति का महत्वपूर्ण स्थान था। वे दूसरों के हित और विकास के लिए जीने में विशेष सुख का अनुभव करते थे। उन्होंने धान, गेहूँ, एवं मक्का पर महत्वपूर्ण खोजें की जिसके लिए सरकार ने उन्हें पुरस्कृत किया।

घ) विभु काका दूसरों के लिए जीते थे, जो व्यक्ति जनहित के लिए काम करता है उसके चेहरे पर अलग ही चमक दिखाई देती है, इसलिए विजय को काका के चेहरे पर चमक दिखाई दे रही थी.

भाव स्पष्टीकरण

i) जो व्यक्ति दूसरों के लिए जीता है वह आदमी नहीं देवता होता है, करुणामय विभु काका दूसरों के लिए जीते थे अतः उन्हें देवता स्वरूप कहा है.

(ii) कृषि-विज्ञान के क्षेत्र में विभु काका ने बड़े महत्वपूर्ण कार्य किए, वे जो भी काम हाथ में लेते उसमें उन्हें सफलता प्राप्त होती थी.

iii) अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के हित और विकास के लिए जीने में एक विशेष प्रकार का सुख और आनंद है,